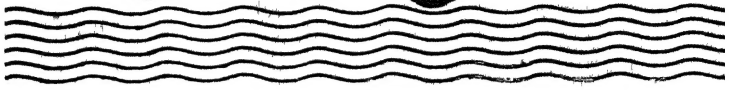


# साहित्य-प्रवा



कृष्णदेव प्रसाद गोड़

१४.८  
कृष्ण/सा

